गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 298
दि. 01.03.2026,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

साणंद से भारत की टेक क्रांति के नए अध्याय का प्रारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी का शुभारंभ कराया

साणंद बनेगा देश में सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री का प्रवेश द्वार : 22,516 करोड़ रुपए के निवेश के साथ एआई टेक्नोलॉजी के भविष्य को मिलेगी नई ताकत

- श्री सोमनाथ मंदिर पर 1500 से अधिक कलश स्वर्ण जड़ित हुए
- सोमनाथ मंदिर का गर्भगृह, गर्भगृह के द्वार तथा द्वार के पास के स्तंभ, थाल आदि स्वर्ण से अलंकृत
- श्री सोमनाथ मंदिर के शिखर पर स्थापित ध्वदंड और उसके साथ जुड़ा त्रिशूल भी है स्वर्ण जड़ित
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इतिहास पुराणों में वर्णित सोमनाथ का वैभव पुन: स्थापित हो रहा है : इतिहासप्रेमी तथा अध्ययनी श्री भास्करभाई वैद्य
- प्रधानमंत्री तथा सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में पुन: स्थापित हो रही सोमनाथ की पौराणिक वैभवता तथा भव्यता

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

- 20वीं शताब्दी का रेगुलेटर ऑइल था, 21वीं शताब्दी का रेगुलेटर माइक्रोचिप बनेगी
- इंडिया ईज रेडी, इंडिया ईज रिलायेबल एंड इंडिया डिलीवर्स
- यह दशक भारत के टेक फ्यूचर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट सिद्ध होगा
- सॉफ्टवेयर के लिए विख्यात भारत अब हार्डवेयर के क्षेत्र में भी अपनी पहचन सशक्त कर रहा है
- साणंद आज ग्लोबल मैप पर सेमीकंडक्टर हब के रूप में उभर रहा है

मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल

- गुजरात एआई तथा सेमीकंडक्टर जैसे उभरते सेक्टर में भी 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' बनने की ओर आगे बढ़ रहा है
- गुजरात वर्ष 2022 में सेमीकंडक्टर पॉलिसी घोषित करने वाला देश का प्रथम राज्य
- केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी की प्रोत्साहक उपस्थिति

गांधीनगर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अहमदाबाद के साणंद में माइक्रोन सेमीकंडक्टर फैसिलिटी का शुभारंभ कराते हुए कहा कि 20वीं शताब्दी का रेगुलेटर ऑइल था, जबकि 21वीं शताब्दी का रेगुलेटर माइक्रोचिप बनेगी। उन्होंने कहा कि यह एआई रिवॉल्यूशन की सदी है। समग्र विश्व में भारत आज कैपेबल, कम्पीटिटिव तथा कमिटेड मित्र एवं भागीदार के रूप में उभर रहा है। लगभग 22,516 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट के साथ गुजरात अब देश के 'सेमीकंडक्टर हब' के रूप में पहचान स्थापित करेगा।

प्रधानमंत्री ने साणंद से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हुए भारत के भावी उदय का रोडमैप दर्शाते हुए कहा कि सॉफ्टवेयर के लिए विख्यात भारत अब हार्डवेयर क्षेत्र में भी अपना पहचान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत अत्यंत तेजी से वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का हिस्सा बन रहा है। इस अवसर पर श्री मोदी ने समग्र विश्व को विश्वास दिलाते हुए कहा कि इंडिया ईज रेडी, इंडिया ईज रिलायेबल एंड इंडिया डिलीवर्स।

इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने माइक्रोन टेक्नोलॉजी के अत्याधुनिक एटीएमपी (असेम्बली, टेस्टिंग, मार्किंग तथा पैकेजिंग) प्लांट के कामकाज और अन्य विवरण दर्शाने वाली प्रदर्शनी को देखा तथा प्लांट की मुलाकात लेकर सेमीकंडक्टर चिप के असेम्बली व पैकेजिंग के विभिन्न ऑपरेशन्स के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की। नेशनल सेमीकंडक्टर मिशन अंतर्गत माइक्रोन फैसिलिटी द्वारा इस प्लांट का निर्माण किया गया है।

इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने साणंद जीआईडीसी में आयोजित रोड शो अंतर्गत उपस्थित जनसैलाब का अभिवादन स्वीकार किया। कार्यक्रम में माइक्रोन टेक्नोलॉजी द्वारा डेल टेक्नोलॉजी के प्रथम कॉमर्शियल मेड इन इंडिया शिपमेंट को प्रधानमंत्री की उपस्थिति में हैंडओवर किया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी एवं सफल एआई समिट के बाद आज हम टेक्नोलॉजी लीडरशिप क्षेत्र में भारत की कटिबद्धता के एक ऐतिहासिक पड़ाव के साक्षी बने हैं। 10-11 वर्ष पहले तक भारत मे डेटा व चिप की चर्चा केवल सीमित वर्गों में ही होती थी और टेक्नोलॉजी के नाम पर हम केवल आईटी सर्विसेज तक सीमित थे, परंतु आज सॉफ्टवेयर के लिए विख्यात भारत अब हार्डवेयर क्षेत्र में भी अपनी पहचान सशक्त कर रहा है।

उन्होंने प्रोजेक्ट की गतिशीलता पर बल देते हुए इस बात को ध्यान में लिया कि जून-2023 में इस सुविधा के लिए एमओयू हुआ, सितंबर में शिलान्यास हुआ और आज फरवरी-2026 में कॉमर्शियल प्रोडक्शन भी शुरू हो गया है। विश्व के विकसित देशों में भी ऐसी मंजूरियों एवं प्रक्रियाओं में वर्षों निकल जाया करते हैं, परंतु भारत ने यह असंभव कार्य केवल 900 दिनों में पूरा करके बताया है।

जब दानत साफ हो और निष्ठा देश के तेज विकास के प्रति हो, तब नीति स्पष्ट बनती है और निर्णयों में भी गति अपने आप आ जाया करती है।

प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर को इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन तथा एआई रिवॉल्यूशन को जोड़ने वाला सबसे बड़ा सेतु बताया। उन्होंने कहा कि भारत अब इस वैश्विक सेमीकंडक्टर वैल्यू चेन का बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा बन रहा है। उन्होंने जोड़ा कि कोविड के मुश्किल समय में बोए गए बीज आज वटवृक्ष बनकर फल दे रहे हैं तथा अब तक सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम अंतर्गत 10 बड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि हमारा लक्ष्य केवल एक फैक्ट्री स्थापित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संपूर्ण इकोसिस्टम बनाने का है। भारत अब सेमीकंडक्टर की पूरी वैल्यू चेन पर फोकस कर रहा है, जिसमें डिजाइन इंजीनियर से लेकर मशीन निर्माता तथा लॉजिस्टिक्स तक के सभी स्तर शामिल हैं। 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0' की घोषणा इसी दिशा में उठाया गया कदम है। जैसे-जैसे उत्पादन बढ़ेगा, वैसे-वैसे भारत के भीतर ही मटीरियल तथा कम्पोनेंट्स की मांग बढ़ेगी, जो स्थानीय उद्योगों के लिए सबसे बड़ा अवसर सिद्ध होगा।

भारत के बढ़ते जा रहे मार्केट की चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स तथा ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत की मांग निरंतर बढ़ रही है। इसलिए 'मेक इन इंडिया' अब फुल स्विंग में आगे बढ़ रहा है। पिछले 11 वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तथा उसके निर्यात में अनेक गुना वृद्धि हुई है। भारत अब कम्पोनेंट से लेकर फिनिश्ड प्रोडक्ट तक सभी कुछ देश में बनाने के लिए सज्ज है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए घरेलू बाजार एवं वैश्विक अवसर; दोनों प्रदान करता है।

साणंद के साथ अपने निजी संस्मरणों को ताजा करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि साणंद तो ऐसी धरती है, जो मिट्टी को भी सोना बना देती है। उन्होंने याद किया कि वे यहाँ एक समय किस तरह साइकिल पर घूमते थे और एक रुपए के एसएमएस से यहाँ रतन टाटा के प्लांट के साथ ऑटोमोबाइल क्रांति की शुरुआत हुई थी। आज वही साणंद ग्लोबल मैप पर सेमीकंडक्टर हब के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने यहाँ काम करने के लिए आने वाले देश-विदेश के तकनीशियनों को आश्वस्त किया कि गुजरात सरकार उन्हें श्रेष्ठ जीवनशैली तथा सुविधाएँ प्रदान करने में कोई कमी नहीं रखेगी।

पर्यावरण एवं टेक्नोलॉजी के समन्वय के बारे में चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने माइक्रोन के प्लांट की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यहाँ बनाया गया 'क्लीन रूम स्पेस' विश्व के सबसे बड़े स्पेस में एक है। साथ ही; प्लांट में पानी के कम से कम उपयोग तथा रिसाइकलिंग के लिए जो व्यवस्थाएं की गई हैं, वे प्रगति एवं प्रकृति के तालमेल का श्रेष्ठ उदाहरण हैं। उन्होंने गुजरात सरकार की प्रो-एक्टिव नीतियों की भी सराहना की, जिसके कारण निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है।

संबोधन के अंत में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व को मजबूत संदेश देते हुए कहा कि जब भावी पीढ़ियाँ इस दशक को पीछे मुड़कर देखेंगी, तब वे गौरव के साथ कहेंगी कि इस दशक में भारत ने कितनी ऊंची छलांग लगाई थी। यह दशक भारत के टेक फ्यूचर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स को आश्वासन दिया कि भारत सरकार तथा राज्य सरकारें उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं।

भारत का सेमीकंडक्टर उदय: वैश्विक विनिर्माण केंद्र की ओर बढ़ते कदम

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हो रही तीव्र प्रगति, प्रमुख निवेशों और 2030 तक के विकास लक्ष्यों को प्रदर्शित करना।

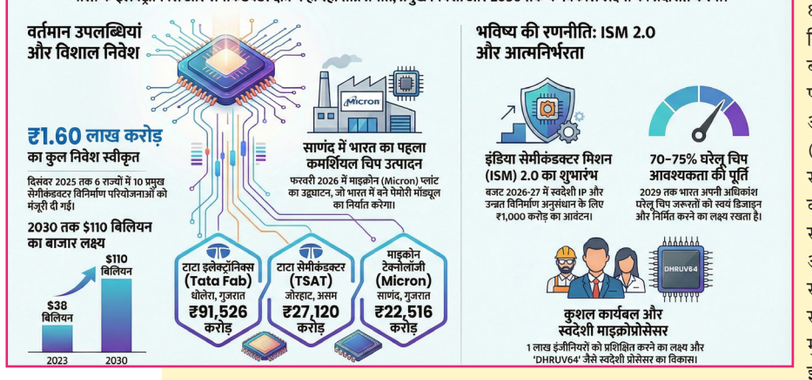

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने साणंद में माइक्रोन प्लांट के लोकार्पण को सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम क्षेत्र में नींव का पत्थर बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज गुजरात ग्लोबल मैप पर ग्रोथ इंजन के रूप में चमका है। साणंद और धोलेरा सेमीकंडक्टर फैसिलिटी प्लांट के मुख्य केंद्र बनकर उभरे हैं। प्रधानमंत्री के अथक परिश्रम और राज्य की उद्यमिता के कारण ही लार्ज स्केल और जेट स्पीड से इंडस्ट्रियल ट्रांसफॉर्मेशन संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि यह विकास यात्रा केवल नए उद्योग की शुरुआत ही नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में दुनिया के देशों के लिए एक भरोसेमंद मित्र के रूप में 'नए भारत' की पहचान भी है।

मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट की अभूतपूर्व गति और कार्यक्षमता का उल्लेख करते हुए कहा कि जून 2023 में प्रधानमंत्री के वाशिंगटन दौरे के दौरान इस प्रोजेक्ट की घोषणा हुई थी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन द्वारा 15 जून 2023 को इस प्रोजेक्ट को मंजूरी मिलने के केवल 24 घंटे के भीतर ही गुजरात सरकार ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी थी। ऐसी तेजी केवल गुजरात में ही संभव है, क्योंकि हम प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित बेंचमार्क और 'आत्मनिर्भर भारत के लिए आत्मनिर्भर गुजरात' के मंत्र के साथ काम करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि सेमीकंडक्टर चिप्स आज डिजिटल युग की रीढ़ है। मोबाइल, ऑटोमोबाइल, डिफेंस, स्पेस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे हरेक क्षेत्र में इसकी जरूरत है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए सेमीकंडक्टर मिशन, पीएलआई योजना और 'मेक इन इंडिया' जैसी पहलों के चलते भारत दुनिया में एक बड़े खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात वर्ष 2022 में सेमीकंडक्टर पॉलिसी घोषित करने वाला देश का पहला राज्य था। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल, डायमंड और फार्मा जैसे परंपरागत क्षेत्रों में अग्रणी रहने के बाद अब गुजरात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सेमीकंडक्टर जैसे उभरते सेक्टरों में भी 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' बनने जा रहा है। माइक्रोन का यह प्लांट न केवल एक औद्योगिक परियोजना है, बल्कि युवाओं के सपनों का इन्वेस्टमेंट भी है। उन्होंने कहा कि गुजरात 'मेक इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' के मंत्र के साथ विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए कटिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने इस दिन को ऐतिहासिक करार देते हुए कहा कि भारत ने पिछले छह दशकों से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में जो स्वप्न देखा था, वह आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत संकल्प से साकार हुआ है। केवल 900 दिनों में फाउंडेशन से प्रोडक्शन तक का यह सफर 'मोदी है तो मुमकिन है' के नारे को चरितार्थ करता है। उन्होंने आगे कहा कि सेमीकंडक्टर एक फाउंडेशनल इंडस्ट्री है। मोबाइल, लैपटॉप या सर्वर, सभी उपकरणों के लिए यह चिप्स अनिवार्य है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पिछले एक दशक में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में छह गुना और निर्यात में आठ गुना वृद्धि हुई है। अब 'सेमीकंडक्टर 2.0' के माध्यम से हम केवल चिप डिजाइन ही नहीं, बल्कि उसकी मैन्युफैक्चरिंग, मशीनरी, केमिकल्स और गैस सहित संपूर्ण इकोसिस्टम भारत में ही तैयार करने जा रहे हैं। आज देश की 315 से अधिक यूनिवर्सिटियों के विद्यार्थी चिप डिजाइन कर रहे हैं, जो विकसित भारत की मजबूत नींव की निशानी है। भारत में यूएस के राजदूत श्री सर्जियो गोर ने इस अवसर को भारत-अमेरिका के मजबूत संबंधों का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह प्लांट केवल एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि अमेरिकन टेक्नोलॉजी और भारतीय मैन्युफैक्चरिंग उत्कृष्टता के समन्वय का भविष्य है। उन्होंने इस अवसर पर अमेरिकी प्रशासन के सहयोग का उल्लेख करते हुए दोनों देशों के बीच रणनीतिक भागीदारी पर जोर दिया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत वैश्विक सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन के लिए एक सुरक्षित और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरा है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की भूमिका अब अनिवार्य बन गई है। गुजरात आज साणंद से लेकर धोलेरा तक, सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट्स के लिए जो वातावरण प्रदान कर रहा है, वह अन्य देशों और निवेशकों के लिए एक सफल मॉडल है। अमेरिकन कंपनियां गुजरात में मौजूद इन अवसरों को बहुत ही सकारात्मक तरीके से देख रही हैं। माइक्रोन टेक्नोलॉजी के सीईओ श्री संजय मेहरोत्रा ने इस दिन को ऐतिहासिक बताते हुए भावुक स्वर में कहा, "यह केवल एक उद्घाटन समारोह नहीं, बल्कि इतिहास का एक अमर क्षण है। दिल्ली के सरदार पटेल विद्यालय में पढ़ाई के दौरान लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के दृढ़ संकल्प से मुझे जो प्रेरणा मिली थी, आज साणंद की इस धरती पर उस संकल्प को साकार होते हुए देख रहा हूं। मुझे विश्वास था कि जो कभी नहीं बना, वह हम बना सकते हैं और आज हमने साणंद में वह कर दिखाया है।" उन्होंने भारत को सेमीकंडक्टर मैप पर अंकित करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजनरी नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि एआई के युग में डेटा ही हृदय के समान है और डेटा के लिए मेमोरी और स्टोरेज अनिवार्य है। माइक्रोन का यह प्लांट प्रतिवर्ष करोडों की संख्या में चिप का उत्पादन करके वैश्विक जरूरतों को पूरी करेगा। हम यहां केवल उत्पादन ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि 100 फीसदी वाटर री-यूज और सस्टेनेबिलिटी के साथ पर्यावरण का संरक्षण भी कर रहे हैं। भारत की क्षमता पर विश्वास व्यक्त करते हुए उन्होंने गुजराती में गर्व के साथ कहा, "जब लोग पूछते हैं कि क्या भारत में विश्व स्तरीय सेमीकंडक्टर फैसिलिटी बन सकती है?" तब मेरा जवाब होता है, "हां, यह संभव है!" उल्लेखनीय है कि माइक्रोन के मेगा सेमीकंडक्टर प्लांट में एसएसडी (सॉलिड स्टेट ड्राइव), डीआरएएम और एनएएनडी जैसे आधुनिक स्टोरेज और मेमोरी उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। ये उत्पाद विशेषकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित होंगे, क्योंकि मजबूत मेमोरी सपोर्ट के बिना एआई प्रणाली कुशलता से काम नहीं कर सकती। माइक्रोन का यह प्लांट दुनिया के सबसे बड़े और अत्यंत स्वच्छ 'क्लीन रूम' वाली इकाइयों में से एक है, जहां ऑपरेशन थियेटर से भी अधिक शुद्ध वातावरण में चिप की पैकेजिंग की जाती है। रोजगार के क्षेत्र में भी यह प्लांट आशा की एक नई किरण लेकर आया है। वर्तमान में यहां 2000 लोगों की टीम कार्यरत है, जो आगामी समय में बढ़कर 5000 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार तक पहुंच जाएगी।

जांच एजेंसियों के खिलाफ पक्षपात के आरोप: आपातकालीन विभाग की निष्पक्षता पर सवाल उठे

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत।

सरकार की कुछ जांच एजेंसियों, जैसे सीबीआई और ईडी, को धन शोधन जैसे आर्थिक अपराधों की जांच करने का अधिकार है। इनमें से कुछ सरकारी विभागों या जांच एजेंसियों की प्रतिष्ठा न केवल सरकार के लिए बल्कि देश या राज्य के लिए भी महत्वपूर्ण होती है। उदाहरण के लिए, सीबीआई, ईडी या चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं की अतीत में एक अलग ही प्रतिष्ठा थी। उनकी एक विशेष पहचान थी। लेकिन अब जिस तरह से ये संस्थाएं सरकार के इशारे पर पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाकर काम कर रही हैं, उससे जनता के बीच इनकी प्रतिष्ठा धूमिल हो गई है।

शून्य त्रुटि विज्ञापन

यहां यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि एक मामले की सुनवाई के दौरान मद्रास उच्च न्यायालय ने स्पष्ट टिप्पणी की थी कि ईडी कोई "ड्रोन" नहीं है जो आपराधिक गतिविधि का पता चलते ही हमला कर दे। न्यायालय ने यह भी कहा कि जांच एजेंसी किसी उच्च कुशल पुलिस अधिकारी (सुपर कॉप) की तरह नहीं है जो हर मामले की जांच करे। हर जांच एजेंसी के कामकाज में कुछ कमियां होती हैं। लेकिन जब उसके खिलाफ इतने सारे सवाल उठने लगते हैं, तो यह उसकी प्रतिष्ठा पर एक धब्बा जैसा होता है।

यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी से जुड़े भूखंड आवंटन मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने चेतावनी दी है कि राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के साथ लड़ी जानी चाहिए। इसमें ईडी जैसी जांच एजेंसियों का इस्तेमाल हथियार के रूप में नहीं किया जाना चाहिए। स्वाभाविक रूप से, लगातार उठते सवालों के बीच, ईडी को अपने काम में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करते हुए राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए, ताकि उसकी विश्वसनीयता धूमिल न हो। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या ईडी राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करने का साहस दिखाएगी? इससे यह साबित होता है कि देश में विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए सरकार की जांच एजेंसियों के दुरुपयोग के विपक्ष के आरोप सही हैं। और इसका ताजा उदाहरण केजरीवाल और मनोज सिसोदिया मामले का फैसला है।

वाल्मीकि समुदाय के नेताओं ने सूरत में चंद्रवदनभाई पिथावाला के कार्यालय का दौरा कर अपना आभार व्यक्त किया

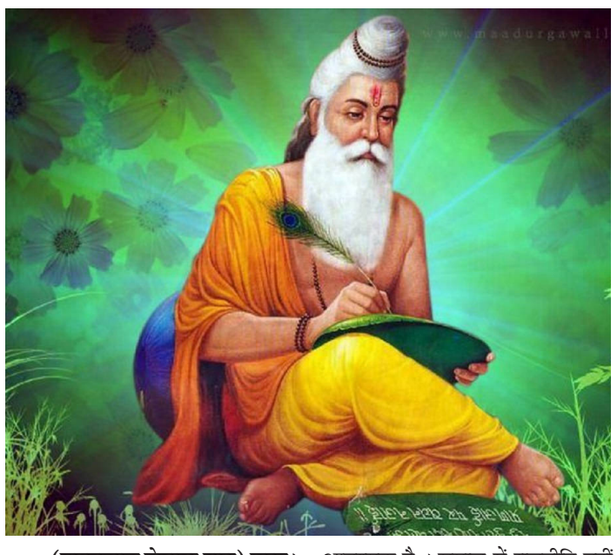

(छगनलाल मेवाड़ा द्वारा) सूरत। कोली समुदाय के लोकप्रिय और अनुभवी गांधीवादी नेता, माननीय चंद्रवदनभाई पिथावाला साहब ने 28 फरवरी 2026 को सूरत में वाल्मीकि समाज के नेताओं श्यामभाई तेनिया (महासचिव), रविकुमार सुरती (महासचिव और गायक), मनीषभाई राजवाड़ी संगीतकार, अश्विन बी. वैष्णव (अधिवक्ता और नोटरी), ची वंश (गुजरात प्रदेश नगर निगम कर्मचारी) और कांग्रेस एवं समाज गुजरात के अध्यक्ष भाई लाल बी. वैष्णव के कार्यालय का दौरा किया और समाज की प्रगति के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया। पिथावाला साहब ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति के लिए समाज की एकता और मजबूत संगठन आवश्यक है । समाज में राजनीति नहीं लानी चाहिए। समाज में राजनीति हो सकती है, लेकिन राजनीति को समाज में नहीं लाना चाहिए। समाज में शिक्षा का स्तर बढ़ाने और समाज को आर्थिक रूप से सक्षम बनाने के प्रयास किए जाने चाहिए। यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाने चाहिए कि समाज के जरूरतमंद लोगों को राशन कार्ड, आधार कार्ड, जातिगत पहचान पत्र और शिक्षा आसानी से मिल सके। समाज में अच्छी प्रतिष्ठा और विश्वास रखने वाले लोगों को समाज का नेतृत्व स्वीकार करना चाहिए। समाज के उत्थान के लिए वाल्मीकि द्वारा दिए गए परामर्श से नेता अत्यंत प्रभावित हुए। समाज के नेताओं ने पीठावला साहब को फूलों का गुलदस्ता भेंट कर आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

इस क्षेत्रीय युद्ध को वैश्विक संकट में बदलते हुए देर नहीं लगेगी

> सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है।

पश्चिम एशिया एक बार फिर बारूद के ढेर पर खड़ा है और इस बार चिंगारी किसी सीमा विवाद या छाया संघर्ष की नहीं, बल्कि खुली सैन्य कार्रवाई की है। अमेरिका और इजराइल ने जिस समन्वित अभियान के तहत ईरान पर प्रहार किया है, उसने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्रीय संतुलन को झकझोर दिया है। सवाल यह है कि क्या यह कदम वास्तव में परमाणु खतरे को रोकने के लिए था, या फिर पश्चिम एशिया की राजनीति को अपने अनुकूल ढालने की एक सुनियोजित चाल है? तेहरान पर सीधे हमले, सर्वोच्च नेतृत्व को निशाना बनाने की कोशिश और शासन परिवर्तन के संकेत, यह सब किसी सीमित सैन्य कार्रवाई की परिभाषा में नहीं आता। यह शक्ति प्रदर्शन है। यह संदेश है कि जो अमेरिकी रणनीति के खिलाफ खड़ा होगा, उसे सैन्य कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन इतिहास गवाह है कि बाहरी हस्तक्षेप से पैदा हुई अस्थिरता अक्सर नियंत्रण से बाहर हो जाती है। इराक और अफगानिस्तान के अनुभव अभी पुराने नहीं हुए हैं।

ईरान का जवाब भी उतना ही आक्रामक है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना और खाड़ी देशों तक मिसाइलों की पहुंच दिखाना यह बताता है कि संघर्ष सीमित नहीं रहेगा। यदि खाड़ी के देश भी अपनी जमीन पर हुए हमले के विरोध में ईरान के खिलाफ सीधे युद्ध में उतरते हैं तो यह आग कई सीमाओं को लांघ सकती है। इससे समुद्री मार्गों, तेल आपूर्ति और सामरिक जलडमरूमध्य पर खतरा बढ़ेगा जिससे संकट केवल क्षेत्रीय स्तर पर नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर फैल जायेगा।

सबसे बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर है। यदि वहां अवरोध पैदा होता है तो दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की रीढ़ टूट सकती है। तेल की कीमतों में उछाल केवल बाजार का आंकड़ा नहीं होता, वह विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं को झकझोर देता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर हैं, वह सीधे प्रभावित होंगे। महंगाई बढ़ेगी, राजकोषीय दबाव बढ़ेगा और आम नागरिक की जेब पर बोझ पड़ेगा।

यह भी स्पष्ट है कि इस टकराव का असर केवल सैन्य या आर्थिक नहीं है। हवाई क्षेत्र बंद हो रहे हैं, उड़ानें रद्द हो रही हैं, प्रवासी समुदायों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। इसके साथ ही पश्चिम एशिया में बसे लाखों भारतीयों की सुरक्षा का प्रश्न हमारे लिए केवल कूटनीतिक मुद्दा नहीं, मानवीय दायित्व भी है।सबसे खतरनाक पहलू यह है कि बड़ी शक्तियां अलग अलग खेमों में बंटती दिख रही हैं। यदि यह संघर्ष लंबा खिंचता है और अन्य शक्तियां भी खुलकर पक्ष लेने लगती हैं, तो यह टकराव बहुध्रुवीय युद्ध का रूप ले सकता है। विश्व युद्ध शब्द का प्रयोग भले अभी अतिशयोक्ति लगे, पर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे विश्वव्यापी संकट अवश्य बना सकता है। बहरहाल, आज जरूरत है संयम की, संवाद की और कूटनीतिक साहस की। शक्ति प्रदर्शन से अस्थायी बढ़त मिल सकती है, स्थायी शांति नहीं। यदि पश्चिम एशिया को फिर से युद्धभूमि बनाया गया, तो उसकी कीमत केवल वहां के लोग नहीं, पूरी दुनिया चुकाएगी। भारत को संतुलित, दृढ़ और दूरदर्शी कूटनीति के साथ अपनी ऊर्जा सुरक्षा और नागरिकों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। देखा जाये तो युद्ध की आंधी में विवेक ही सबसे बड़ा हथियार होता है।

Hexagon Plan क्या है, जिसमें मोदी को शामिल करना चाहते हैं नेतन्याहू?

इचक दाना बीचक दाना दाने ऊपर दाना यह गाना एक दोपहर नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बजाया गया। उस रोज एक देश के प्रधानमंत्री और उनका डेलीगेशन यहां आया हुआ था। मेहमानों के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने एक लंच होस्ट किया उस दिन। डाइनिंग टेबल पर दोनों तरफ डेलीगेट्स बैठे थे। बॉलीवुड सॉन्ग पर डेलीगेट तो डेलीगेट मेहमान प्रधानमंत्री भी बहुत खुश हुए। उन्हें यह गाना याद था और उन्होंने इस परिस्थिति को खूब एंजॉय किया। तब भारत के विदेश सचिव विजय गोखले ने बड़ी खुशी से प्रेस को बताया था कि मेहमान 1955 में आई राज कपूर की फिल्म श्री 420 का ईचक दाना बीचक दाना तुरंत पहचान गए थे। हसरत जयपुरी का लिखा और लता मंगेशकर का गाया ईचक दाना फिल्म की रिलीज के 63 साल बाद तक याद रखने वाले विदेशी प्रधानमंत्री का नाम बेंजामिन नेतन्याहू था। 2025 में नेतन्याहू का भारत दौरा तीन बार कैंसिल हुआ। और फिर समाधान वैसे निकला जैसे तुम नहीं आ पा रहे तो मैं ही चला आता हूं। 25 फरवरी को इजराइल के दो दिन के दौरे पर पीएम मोदी गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का इजराइल दौरा मुकम्मल हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इजराइल के दौरे को आप भारत और इजराइल के रिश्तों का स्पेशल 27 भी कह सकते हैं क्योंकि करीब-करीब 27 घंटे का प्रधानमंत्री मोदी का ये इजराइल का दौरा था। 16 समझौते हुए हैं। 11 बड़े ऐलान हुए हैं। कुल 27 बटरल आउटकम्स। रिश्ते को नया नाम मिला है। स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को अब स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप कहा जाएगा। लेकिन इन सब भारीभरकम शब्दों का मतलब क्या है? इस दौरे की पूरी बैलेंस शीट क्या कहती है? भारत और इस्राइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को जल्द अंतिम रूप देंगे। रक्षा क्षेत्र में साझा डिवेलपमेंट, प्रॉडक्शन और टेक्नॉलजी ट्रांसफर पर काम करेंगे। संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी का दर्जा देंगे। भारत का UPI पेमेंट सिस्टम इस्राइल में भी चलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच बैठक में रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, AI, तकनीक और कृषि जैसे क्षेत्रों में ऐसे 16 समझौतों और सहमति पत्रों पर मुहर लगी। साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोदी ने कहा कि पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति और स्थिरता से भारत के हित जुड़े हैं। हम कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद और इसके समर्थकों का विरोध करते रहे है और आगे भी करते रहेंगे। भारत मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (IMEC) और I2U2 (भारत-इस्राइल यूएई-अमेरिका समूह) के तहत सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। मोदी ने कहा कि भारत और इस्राइल ने क्रिटिकल और इमर्जिंग टेक्नॉलजी पर साझेदारी क्वांटम और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिलेगी। सिविल न्यूक्लियर एनर्जी और स्पेस में भी सहयोग बढ़ाएंगे। दोनों देशों की बातचीत में तकनीक फोकस में रही, इसमें साइबर सेक्योरिटी, इनोवेशन और एआई, रिसर्च और स्टार्ट अप शामिल है। विज्ञान और तकनीक पर मौजूद जॉइंट कमिशन को मंत्रीस्तरीय दर्जे तक ले जाने का फैसला लिया गया। इससे इस क्षेत्र में समन्वय में मदद मिलेगी। भारत में इस्राइल की मदद से चल रहे 43 सेंटर ऑफ एक्सीलेस को विस्तार देकर 100 करने पर फैसला। भारत में भारत में एग्रीकल्चर इनोवेशन सेंटर फॉर एग्रीकल्चर की स्थापना होगी। विदेश सचिव ने बताया कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने ईरान और अमेरिका के मौजूदा तनाव को लेकर बातचीत की। शांति से बातचीत पर जोर दिया। कहा, गाजा के पुनर्निमाण में भी भूमिका देख रहे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस दौरान इस्राइल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग से मुलाकात की और दोनों नेताओं ने शिक्षा, स्टार्टअप, नवाचार, प्रौद्योगिकी और कनेक्टिविटी के क्षेत्र में सहयोग को और बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-इस्राइल विशेष साझेदारी को मजबूत करने में राष्ट्रपति हर्जोग के अटूट समर्थन के लिए उनका धन्यवाद किया। उन्होंने इस्राइल के राष्ट्रपति को भारत आने का न्योता भी दिया। भारत और इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर दूसरे दौर की बातचीत मई में करेंगे। यह वार्ता इस्राइल में होगी। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार से शुरू हुआ वार्ता का पहला दौर गुरुवार को पूरा हुआ। दोनों देशों ने FTA के टर्म्स ऑफ रेफरेंस पर पिछले साल नवंबर में दस्तखत किए थे। दोनों देशो का आपसी कारोबार वित्त वर्ष 2024-25 में करीब 3.62 बिलियन डॉलर का था।

प्रेरणा

करुणा से बड़ा कोई सत्य नहीं

वाराणसी की प्राचीन और आध्यात्मिक भूमि पर एक अत्यंत विद्वान और करुणामय गुरु सज्जन निवास करते थे। उनका आश्रम नगर की हलचल से थोड़ा दूर, प्रकृति की शांति के बीच स्थित था। वहाँ न कोई आडंबर था और न ही वैभव का प्रदर्शन, फिर भी वह स्थान ज्ञान और आत्मिक प्रकाश से भरा हुआ था। दूर-दूर से लोग उनके पास केवल शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करने नहीं, बल्कि जीवन का वास्तविक अर्थ समझने आते थे। गुरु सज्जन का मानना था कि ज्ञान केवल पुस्तकों में नहीं होता, बल्कि वह मनुष्य के व्यवहार, उसके निर्णय और उसके हृदय की करुणा में प्रकट होता है।

एक दिन प्रातःकाल की सुनहरी धूप आश्रम के प्रांगण में फैली हुई थी। शिष्य एक विशाल आम के वृक्ष के नीचे बैठे हुए थे और गुरु सज्जन उन्हें जीवन के महत्वपूर्ण सिद्धांतों का उपदेश दे रहे थे। उनकी वाणी शांत, गंभीर और प्रभावशाली थी। वे कह रहे थे, "मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म सत्य है। सत्य वह शक्ति है जो आत्मा को निर्मल बनाती है। जो व्यक्ति सत्य का पालन करता है, वह भीतर से निर्भय और शांत रहता है। असत्य मनुष्य को क्षणिक लाभ तो दे सकता है, लेकिन अंततः वह उसे भीतर से कमजोर कर देता है।"

शिष्य अत्यंत ध्यान से उनकी बातें सुन रहे थे। उनके मन में सत्य के महत्व को लेकर एक गहरी श्रद्धा उत्पन्न हो रही थी। तभी अचानक आश्रम के द्वार की ओर से तेज कदमों की आवाज सुनाई दी। एक व्यक्ति घबराया हुआ, हाँफता हुआ और भयभीत अवस्था में दौड़ता हुआ वहाँ पहुँचा। उसके चेहरे पर चिंता और आतंक साफ दिखाई दे रहा था। वह सीधे गुरु के पास पहुँचा और उनके चरणों में गिर पड़ा।

कंपित स्वर में उसने कहा, "गुरुदेव, मेरी रक्षा कीजिए। मेरे प्राण संकट में हैं। यदि आज मेरी मृत्यु हो गई, तो मेरे अंधे माता-पिता का कोई सहारा नहीं रहेगा। वे पूरी तरह मुझ पर निर्भर हैं।"

गुरु ने उसे उठाया और शांत स्वर में पूछा, "वत्स, घबराओ मत। पहले शांत हो जाओ और बताओ कि ऐसा क्या हुआ है?"

उस व्यक्ति ने कहा, "मैं एक शिकारी हूँ। आज जंगल में मैंने एक जानवर समझकर तीर चलाया, लेकिन दुर्भाग्य से वह एक आदिवासी को लग गया। वह घायल हो गया और उसके साथी मुझे मारने के लिए मेरे पीछे पड़ गए। वे तीर और भाले लेकर मेरा पीछा कर रहे हैं। मैं अपनी जान बचाने के लिए भागता हुआ यहाँ तक पहुँचा हूँ।"

गुरु ने उसकी आँखों में झाँका और उसके भय के साथ-साथ उसके भीतर के पश्चाताप को भी महसूस किया। गुरु ने कहा, "जो व्यक्ति शरण में आता है, उसकी रक्षा करना मेरा कर्तव्य है। तुम आश्रम के भीतर जाओ और एक कोने में छिप जाओ। यहाँ तुम्हें कोई हानि नहीं होगी।"

शिकारी तुरंत आश्रम के भीतर चला गया और एक सुरक्षित स्थान पर छिप गया। शिष्य यह सब देख रहे थे, लेकिन वे शांत थे। कुछ ही क्षणों बाद आदिवासियों का एक समूह आश्रम के बाहर पहुँचा। उनके हाथों में तीर और भाले थे और उनके चेहरों पर क्रोध स्पष्ट दिखाई दे रहा था। उन्होंने गुरु को प्रणाम किया और कहा, "महात्मा जी, एक व्यक्ति ने हमारे साथी को घायल कर दिया है। वह इसी दिशा में भागा है। क्या आपने उसे यहाँ से गुजरते हुए देखा है?"

यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और कठिन क्षण था। गुरु जानते थे कि सत्य बोलना उनका सिद्धांत है, लेकिन वे यह भी जानते थे कि यदि उन्होंने सत्य बता दिया, तो उस व्यक्ति की मृत्यु निश्चित है। उन्होंने कुछ क्षण मौन रहकर परिस्थिति को समझा, फिर शांत स्वर में कहा, "मैंने यहाँ से किसी व्यक्ति को जाते हुए नहीं देखा।"

गुरु के शब्दों में इतनी स्थिरता और विश्वास था कि आदिवासियों को उन पर संदेह नहीं हुआ। वे तुरंत दूसरी दिशा में उस व्यक्ति की खोज में चले गए।

जब वे चले गए, तो आश्रम में फिर से शांति छा गई। लेकिन शिष्यों के मन में एक गहरा प्रश्न उठ खड़ा हुआ था। उनमें से एक शिष्य ने विनम्रता से पूछा, "गुरुदेव, आपने अभी हमें सिखाया था कि सत्य बोलना मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है, लेकिन आपने अभी असत्य क्यों कहा? क्या यह सत्य के सिद्धांत के विरुद्ध नहीं है?"

गुरु सज्जन ने शिष्य की ओर प्रेमपूर्वक देखा और कहा, "वत्स, तुम्हारा प्रश्न उचित है। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि सत्य केवल शब्दों का पालन करना नहीं है, बल्कि सत्य का वास्तविक अर्थ धर्म और करुणा की रक्षा करना है। यदि सत्य बोलने से किसी निर्दोष व्यक्ति की मृत्यु हो जाए, तो वह सत्य नहीं, बल्कि अधर्म बन जाता है।" उन्होंने आगे कहा, "मानव जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य केवल नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि मानवता की रक्षा करना है। यदि कोई व्यक्ति हमारी शरण में आता है, तो उसकी रक्षा करना हमारा सर्वोच्च कर्तव्य है। उस समय हमारा धर्म केवल सत्य बोलना नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा करना होता है।"

शिष्य ध्यानपूर्वक सुन रहे थे। गुरु ने आगे समझाया, "सत्य का वास्तविक स्वरूप करुणा से जुड़ा हुआ है। यदि हमारे शब्द किसी के जीवन को बचाते हैं, तो वही सच्चा धर्म है। और यदि हमारे शब्द किसी के जीवन को नष्ट कर दें, तो वह सत्य भी अधर्म बन जाता है।"

उन्होंने एक और उदाहरण देते हुए कहा, "कल्पना करो, यदि कोई निर्दोष व्यक्ति किसी हत्यारे से बचने के लिए तुम्हारी शरण में आए, और हत्यारा तुमसे पूछे कि वह कहाँ छिपा है, तो क्या तुम सत्य बताकर उसकी हत्या होने दोगे? यदि तुम ऐसा करते हो, तो तुमने शब्दों का सत्य तो निभाया, लेकिन मानव धर्म का पालन नहीं किया।"

यह सुनकर शिष्यों के मन में स्पष्टता आ गई। उन्हें समझ में आ गया कि धर्म का अर्थ केवल नियमों का पालन करना नहीं है, बल्कि परिस्थिति के अनुसार करुणा और विवेक से निर्णय लेना है।

तभी वह शिकारी धीरे-धीरे बाहर आया। उसकी आँखों में कृतज्ञता के आँसू थे। उसने गुरु के चरणों में गिरकर कहा, "गुरुदेव, आपने मेरे प्राण बचाए। मैं आपका यह उपकार जीवन भर नहीं भूलूँगा।"

क्या हैं पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान संघर्ष के मायने?

पिछले कई दिनों से पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच लगातार सैन्य संघर्ष जारी है। पाकिस्तान में अलग-अलग जगहों पर हो रहे आतंकी हमलों के लिए अफ़ग़ानिस्तान की तालिबान सरकार को ज़िम्मेदार ठहराते हुए पाकिस्तान ने अफ़ग़ानिस्तान पर हवाई हमले शुरू किए। पाकिस्तान का अफ़ग़ानिस्तान पर यह आरोप है की अफ़ग़ान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान को समर्थन देता है। पाकिस्तान के में हुए कई हमलों में तहरीक-ए-तालिबान के शामिल होने का आरोप इस्लामाबाद की ओर से लगाया जा रहा है। पाकिस्तान का अफ़ग़ानिस्तान में आतंकी संघटन आय एस आय एस की मजूदगी का भी दावा है। बीते 3-4 वर्षों से पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच रूक-रूक कर झड़पें होती रही हैं। अक्टूबर 2025 में क़तर की मध्यस्थता से दोनों पड़ोसियों में शांति समझौते का भी प्रयास किया गया। लेकिन इस्लामाबाद और काबुल किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंचे। कुछ महीनों के विराम के बाद 11 फरवरी से फिर दोनों देशों में जंग छिड़ गई है। अभी भी दोनों तरफ़ से एक दुसरे की सीमा के अंदर हवाई हमले और सैन्य कार्रवाई जारी है।

दक्षिण एशिया के इन दो पड़ोसी देशों के रिश्ते हमेशा से जटिल रहे हैं। दोनों देशों के बीच के विवाद की जड़ अंग्रेज़ो के शासन काल में है। अंग्रेज़ों के समय में जब भारत और पाकिस्तान का विभाजन हुआ उस वक्त पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच भी कुछ इलाकों का बंटवारा हुआ। अंग्रेज़ शासकों ने पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच एक सीमा रेखा खिंच दी जिसे डुरंड लाईन कहा जाता है। इस डुरंड लाईन से पख़्तून बहुल इलाका पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान में बंट गया। अफ़ग़ानिस्तान ने इस सीमा रेखा को कभी स्वीकार नहीं किया और पाकिस्तान के हिस्से में गए इलाके (खैबर-पख़्तूनख़्वा) पर भी हमेशा दावा किया है। सीमा विवाद पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच के संघर्ष की एक महत्त्वपूर्ण वजह रही है।

सीमा विवाद और आतंकवाद- इन दो मुद्दों से पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान का संघर्ष केवल द्विपक्षीय मामला लग सकता है। लेकिन इस जंग के मायने और परिणाम सिर्फ़ दो देशों तक सीमित नहीं हैं।

एक, इस वक्त दुनिया में अनेक युद्ध चल रहे हैं, जैसे रूस-यूक्रेन युद्ध और इस्राएल-हमास युद्ध। अमेरिका भी ईरान पर हमले की तैयारी कर रहा है। ऐसे में एक और युद्ध से विश्व में अस्थिरता, असुरक्षितता और आर्थिक अनिश्चितता और बढ़ेगी।

दूसरा, हाल के समय में पाकिस्तान और अमेरिका के बीच बढ़ती नज़दीकियों को देखकर इससे इनकार नहीं किया जा सकता की अमेरिका इस जंग के ज़रिये अपना हित साधने की कोशिश करे। अगर अमेरिका मध्यस्थता करके दोनों देशों में शांति प्रस्थापित करता है तो अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प इसे ख़ुद की कामयाबी बता सकते हैं और अपने आप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलने योग्य बता सकते हैं।

तीसरा, अमेरिका यह भी चाहेगा की रूस किसी तरह अफ़ग़ानिस्तान की मदद करे। अगर ऐसा होता है तो संभव है रूस का ध्यान यूक्रेन से भटके। इससे यूरोप ऊपर लगातार मंडरा रहा जंग का ख़तरा कुछ हद तक कम होगा। अमेरिका की कोशिशों से अगर यह हो पाता है, तो अमेरिका के यूरोपीय देशों से रिश्ते सुधर सकते हैं। डोनाल्ड ट्रम्प के दुसरे कार्यकाल में अमेरिका और यूरोप के रिश्तों में क़ाफी कड़वाहट पैदा हुई है।

चौथा, अगर रूस अफ़ग़ानिस्तान की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मदद नहीं करता, और अमेरिका इस युद्ध को रोकने में कामयाब होता है, तो इससे अमेरिका अफ़ग़ानिस्तान से भी अपनी नज़दीकियां बढ़ाने की कोशिश करेगा। अफ़ग़ानिस्तान में प्राकृतिक संसाधन और खनिजों का बहुत बड़ा भंडार है, जिसका फायदा अमेरिका लेना चाहेगा।

इस युद्ध के भारत के लिए भी कई मायने हैं।

एक, अगर यह युद्ध लंबे समय तक चलता रहा तो इससे दक्षिण एशिया में अस्थिरता बढ़ेगी और पूरे प्रांत की सुरक्षा को ख़तरा पैदा हो सकता है। दक्षिण, पश्चिम और मध्य एशिया से भारत के कई आर्थिक और रणनीतिक हित जुड़े हुए हैं जिनपर यह युद्ध असर डाल सकता है।

सबसे पहले तो अफ़ग़ानिस्तान भारत के लिए मध्य एशिया में पहुंचने का एक महत्त्वपूर्ण ज़रिया हैं। भारत इस वक्त चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा इन दो प्रकल्पों पर काम कर रहा है जो भारत को ईरान और अफ़ग़ानिस्तान के ज़रिये मध्य एशिया से जोड़ते हैं। इन गलियारों का व्यापर और सामान की आवाजाही के लिए परिक्षण भी हो चूका है। पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान के बीच अगर लंबी जंग चलती है तो इसका असर भारत के मध्य एशियाई देशों के साथ व्यापार पर होगा।

दूसरा, कूटनीति के मामले में अफ़ग़ानिस्तान फिलहाल दुनिया के कई देशों के लिए एक जटिल समस्या है। इस वक्त अफ़ग़ानिस्तान के साथ बहुत काम देशों के कूटनीतिक रिश्ते हैं। भारत ने भी अफ़ग़ानिस्तान के तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है। लेकिन भारत ने अफ़ग़ानिस्तान से अपने रिश्ते कायम रखे हैं। संतुलित कूटनीति द्वारा भारत ने इस क्षेत्र में अपने हित संभाले हैं। पाकिस्तान-अफ़ग़ानिस्तान का संघर्ष और इसमें दुसरे देशों का दख़ल देने से शायद भारत को अपने मध्य एशिया नीति पर पुनर्विचार करना पेड़ सकता है।

पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच का संघर्ष सिर्फ दक्षिण एशिया के लिए ही नहीं बल्कि पूरे एशिया और दुनिया के लिए भी चिंता का विषय है। इस संघर्ष का जारी रहना विश्व की अर्थव्यवस्था और सुरक्षा को असंतुलित कर सकता है।

अभियान

सालासर धाम: भक्ति, चमत्कार और अटूट विश्वास का दिव्य केंद्र

सालासर बालाजी मंदिर भारतवर्ष की उस पवित्र भूमि का नाम है, जहाँ आस्था केवल एक भावना नहीं, बल्कि जीवंत अनुभव बन जाती है। राजस्थान के चुरू जिले की सुजानगढ़ तहसील में स्थित यह दिव्य मंदिर लाखों श्रद्धालुओं के लिए विश्वास, भक्ति और चमत्कार का अद्वितीय संगम है। दूर-दूर से भक्त यहाँ केवल दर्शन करने नहीं आते, बल्कि अपने जीवन के दुख, कष्ट और पीड़ा को प्रभु के चरणों में समर्पित करने आते हैं। इस धाम की सबसे विशेष बात यह है कि यहाँ हनुमान जी का स्वरूप दाढ़ी और मूंछ वाला है, जो संपूर्ण भारत में अपनी तरह का एकमात्र और अनोखा स्वरूप माना जाता है। इस अद्वितीय रूप में प्रभु बालाजी भक्तों को यह संदेश देते हैं कि वे केवल देवता ही नहीं, बल्कि एक जीवंत संरक्षक और रक्षक भी हैं, जो हर भक्त के जीवन की रक्षा करते हैं।

इस पवित्र धाम का इतिहास संत महात्मा मोहनदास जी की अद्भुत भक्ति और तपस्या से जुड़ा हुआ है। उनका जन्म एक धार्मिक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन से ही उनके भीतर सांसारिक आकर्षणों के प्रति कोई विशेष रुचि नहीं थी। जहाँ अन्य बच्चे खेल-कूद में अपना समय बिताते थे, वहीं मोहनदास जी भगवान हनुमान के भजन और ध्यान में लीन रहते थे। उनके भीतर एक अलौकिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रवाह स्पष्ट दिखाई देता था। परिवार के लोग उनके इस स्वभाव को देखकर कभी-कभी चिंतित भी हो जाते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह बालक सामान्य जीवन नहीं जी पाएगा।

समय के साथ उनकी भक्ति और गहरी होती गई। एक समय ऐसा आया जब उनकी बहन कान्ही बाई अपने पुत्र उदयराम के पालन-पोषण के लिए सालासर लौट आईं और मोहनदास जी को भी अपने साथ ले गईं। सालासर का वातावरण अत्यंत शांत, सरल और आध्यात्मिक था। यह स्थान मोहनदास जी की साधना के लिए अत्यंत उपयुक्त सिद्ध हुआ। वे दिन-रात भगवान हनुमान की आराधना में लीन रहने लगे। उनकी भक्ति इतनी गहरी थी कि वे सांसारिक आवश्यकताओं को भी भूल जाते थे।

एक दिन वे खेत में कार्य कर रहे थे। अचानक उनके हाथ से गंडासी बार-बार छूटने लगी। यह एक विचित्र घटना थी। जब उनके भानजे उदयराम ने इसका कारण पूछा, तो मोहनदास जी ने शांत स्वर में कहा कि कोई अदृश्य शक्ति उन्हें यह संकेत दे रही है कि वे सांसारिक जीवन में न उलझें और अपने वास्तविक उद्देश्य को पहचानें। यह घटना उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ थी। परिवार ने उन्हें सामान्य जीवन में लौटाने का प्रयास किया और उनका विवाह तय करने की योजना बनाई। लेकिन तभी एक ऐसी घटना घटी जिसने सब कुछ बदल दिया।

मोहनदास जी ने गहरी भावना से कहा कि इस संसार में हर स्त्री किसी न किसी रूप में पूजनीय है। जो बड़ी है वह माता के समान है, जो समान आयु की है वह बहन के समान है और जो छोटी है वह पुत्री के समान है। ऐसे में विवाह का प्रश्न उनके लिए अर्थहीन था। उनके इस विचार ने यह स्पष्ट कर दिया कि उनका जीवन सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक मार्ग के लिए ही बना है। उन्होंने संन्यास ग्रहण कर लिया और अपने जीवन को पूर्ण रूप से भगवान हनुमान की भक्ति में समर्पित कर दिया। अब वे केवल मोहन नहीं रहे, बल्कि महात्मा मोहनदास बन चुके थे।

उनकी भक्ति की गहराई इतनी थी कि एक दिन स्वयं हनुमान जी ने साधु के वेश में उन्हें दर्शन दिए। यह क्षण उनके जीवन का सबसे पवित्र और दिव्य क्षण था। जब उन्होंने उस साधु के रूप में प्रभु को देखा, तो उनका हृदय भक्ति से भर गया और वे उनके पीछे दौड़ पड़े। प्रभु जंगल में जाकर रुके और उनसे पूछा कि वे क्या चाहते हैं। महात्मा मोहनदास जी ने अत्यंत विनम्रता और प्रेम से कहा कि उन्हें कोई भौतिक वस्तु नहीं चाहिए, केवल प्रभु का सान्निध्य ही उनकी सबसे बड़ी इच्छा है।

उनकी इस निस्वार्थ भक्ति से प्रसन्न होकर प्रभु ने उन्हें वरदान देने की इच्छा प्रकट की। तब महात्मा ने प्रार्थना की कि प्रभु उनके साथ सालासर में निवास करें, ताकि सभी भक्त उनके दर्शन कर सकें। प्रभु ने उनकी भक्ति को स्वीकार करते हुए यह वचन दिया कि वे मूर्ति रूप में सालासर में प्रकट होंगे, लेकिन इसके लिए उन्होंने कुछ शर्तें रखीं। उन्होंने कहा कि उन्हें खांडयुक्त खीर का भोग और पवित्र शैया अर्पित की जाए। महात्मा मोहनदास जी ने इन शर्तों को सहर्ष स्वीकार किया और उस दिव्य क्षण की प्रतीक्षा करने लगे।

कुछ समय बाद आसोटा नामक गाँव में एक चमत्कारी घटना घटी। एक किसान अपने खेत में हल चला रहा था, तभी उसे भूमि के भीतर कुछ कठोर वस्तु का आभास हुआ। जब उस स्थान की खुदाई की गई, तो वहाँ से भगवान हनुमान की एक अद्भुत मूर्ति प्रकट हुई। यह मूर्ति अत्यंत दिव्य और अलौकिक थी। इसमें प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण उनके कंधों पर विराजमान थे, जो उनके सेवाभाव और समर्पण का प्रतीक था। यह समाचार पूरे क्षेत्र में तेजी से फैल गया और लोग इस चमत्कार को देखने के लिए उमड़ पड़े।

मूर्ति को अत्यंत सम्मान के साथ सालासर लाया गया। महात्मा मोहनदास जी ने निर्देश दिया कि मूर्ति को उस स्थान पर स्थापित किया जाए जहाँ बैल स्वयं रुक जाएँ। यह भी एक दिव्य संकेत माना गया। जब बैल एक रेत के टीले पर रुके, तो वहीं मूर्ति की स्थापना की गई। विक्रम संवत 1811 में श्रावण शुक्ल नवमी के दिन बालाजी महाराज की विधिवत स्थापना हुई। यह दिन सालासर धाम के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय बन गया।

इसके बाद मंदिर का निर्माण कार्य आरंभ हुआ। इस निर्माण में नूर मोहम्मद और दाऊ नामक मुस्लिम कारीगरों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह घटना धार्मिक सहिष्णुता और भाईचारे का अद्भुत उदाहरण बन गई। इससे यह संदेश मिला कि आस्था और भक्ति किसी धर्म या जाति की सीमाओं में बंधी नहीं होती, बल्कि यह मानवता की साझा धरोहर है।

मंदिर में एक अखंड ज्योति भी प्रज्वलित की गई, जो आज तक निरंतर जल रही है। यह ज्योति भक्तों के विश्वास और प्रभु की कृपा का प्रतीक है। यहाँ आने वाले श्रद्धालु अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए नारियल बांधते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है। भक्त पूरे विश्वास के साथ अपनी इच्छाओं को प्रभु के चरणों में समर्पित करते हैं और मान्यता है कि सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य पूर्ण होती है।

समय के साथ सालासर धाम केवल एक मंदिर नहीं रहा, बल्कि करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र बन गया। यहाँ आने वाला प्रत्येक व्यक्ति एक अदृश्य शांति और ऊर्जा का अनुभव करता है। यह स्थान भक्तों को यह विश्वास दिलाता है कि जब भक्ति सच्ची होती है, तो प्रभु स्वयं अपने भक्त के पास आ जाते हैं।

आज भी सालासर धाम में महात्मा मोहनदास जी की भक्ति की गूंज सुनाई देती है। उनकी तपस्या, उनका समर्पण और उनकी आस्था इस मंदिर की प्रत्येक ईंट में समाहित है। यह धाम हमें यह सिखाता है कि सच्ची भक्ति में इतनी शक्ति होती है कि वह स्वयं भगवान को भी भक्त के पास आने के लिए विवश कर देती है।

सालासर बालाजी केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि विश्वास का वह दीप है, जो सदियों से भक्तों के जीवन को प्रकाशमान कर रहा है। यहाँ आने वाला हर व्यक्ति यह अनुभव करता है कि जब हृदय में सच्ची श्रद्धा होती है, तो चमत्कार केवल कहानियाँ नहीं रहते, बल्कि वास्तविकता बन जाते हैं। यही इस पवित्र धाम की सबसे बड़ी विशेषता और दिव्यता है।

RNI No. GUJHIN/2011/39228 Printed, Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, "Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री जस्टिस सूर्यकांत और गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुजरात हाई कोर्ट के नए स्टेट-ऑफ-द-आर्ट आर्बिट्रेशन सेंटर के भवन की आधारशिला रखी

▸▸ गुजरात हाई कोर्ट में 'संस्थागत मध्यस्थता की चुनौतियां और भावी दिशा' विषय पर दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का प्रारंभ

▸▸ राज्य सरकार 'सभी के लिए न्याय, समय पर न्याय' के दृष्टिकोण के साथ न्यायिक ढांचागत सुविधाओं को मजबूत बनाने को कटिबद्ध : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

▸▸ मध्यस्थता के क्षेत्र में नवीन सुविधाओं से भारत की मध्यस्थता व्यवस्था और भी सक्षम, विश्वसनीय और आधुनिक बनेगी : मुख्य न्यायमूर्ति श्री जस्टिस सूर्यकांत

▸▸ सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति सर्वश्री जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस एन.वी. अंजारिया, जस्टिस विपुल पंचोली, गुजरात के उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी, हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश श्रीमती सुनीता अग्रवाल सहित न्यायमूर्तियों की प्रोत्साहक उपस्थिति

▸▸ आर्बिट्रेशन सेंटर के लोगो, री-डिजाइन की गई नई वेबसाइट और न्यूजलेटर का विमोचन

गांधीनगर : सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश माननीय न्यायमूर्ति श्री सूर्यकांत और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने शनिवार को अहमदाबाद में गुजरात हाई कोर्ट आर्बिट्रेशन सेंटर (मध्यस्थता केंद्र) के नए अत्याधुनिक भवन की आधारशिला रखी, और सेंटर के लोगो का अनावरण भी किया।

इसके साथ ही, गुजरात हाई कोर्ट सभागार में 'इंस्टीट्यूशनल आर्बिट्रेशन एट अ क्रॉसरोड्स : चैलेंजेस एंड द वे फॉरवर्ड' विषय पर एक महत्वपूर्ण कॉन्फ्रेंस का भी प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर मध्यस्थता केंद्र के न्यूजलेटर का विमोचन और केंद्र की री-डिजाइन की गई नई वेबसाइट को भी लॉन्च किया गया।

इस कार्यक्रम का आयोजन गुजरात हाई कोर्ट मध्यस्थता केंद्र और गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान तथा गुजरात हाई कोर्ट के मार्गदर्शन में किया गया।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) माननीय श्री सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा कि गुजरात हाई कोर्ट मध्यस्थता केंद्र के नए अत्याधुनिक भवन का शिलान्यास और संस्थागत मध्यस्थता के भविष्य पर आयोजित हो रही कॉन्फ्रेंस देश के विवाद समाधान ढांचे को और मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

उन्होंने बलपूर्वक कहा कि भौतिक बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) केवल एक प्रशासनिक सुविधा नहीं है, बल्कि यह संस्था की गंभीरता और विश्वसनीयता का संकेत है। जब कोई अंतरराष्ट्रीय निवेशक या पक्षकार पेशेवर एवं सुविधाजनक मध्यस्थता केंद्र में प्रवेश करता है, तो उसे यह भरोसा होता है कि उसके विवाद का उचित एवं तटस्थ निराकरण होगा।

मुख्य न्यायमूर्ति ने आगे कहा कि गुजरात औद्योगिक विकास और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में देश में अग्रणी है, तब विदेशी निवेशकों के लिए परंपरागत कानूनी प्रक्रिया की तुलना में संस्थागत मध्यस्थता अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।

उन्होंने इस क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों के बारे में स्पष्टता करते हुए कहा कि हमें केवल कागज पर दिए गए नियमों से ही नहीं, अपितु पारदर्शी और न्यायी प्रक्रिया के माध्यम से पक्षकारों का भरोसा जीतना होगा। भारत को मध्यस्थों की गुणवत्ता और प्रशिक्षण में निवेश करने की जरूरत है, ताकि भारत वैश्विक स्तर के मध्यस्थता केंद्र के तौर पर उभर सके। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, नई वेबसाइट और न्यूजलेटर की लॉन्चिंग की सराहना करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि इन नई सुविधाओं से भारत की मध्यस्थता प्रणाली और भी सक्षम, विश्वसनीय एवं आधुनिक बनेगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश को 'ग्लोबल आर्बिट्रेशन हब' यानी वैश्विक मध्यस्थता का हब बनाने के संकल्प के साथ न्याय प्रक्रिया में अनेक सुधार किए जा रहे हैं, जिसमें आज गुजरात के न्याय तंत्र के लिए एक नया ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है।

भारत में मध्यस्थता की परंपरा के सदियों पुरानी होने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि आज के आधुनिक आर्बिट्रेशन यानी मध्यस्थता की जड़ें उपनिषदों में वर्णित मध्यस्थता संस्थाओं और पंचायत प्रणाली की 'पंच परमेश्वर' की भावना से ही जुड़ी हैं।

पूज्य महात्मा गांधी जी के उदाहरण के साथ उन्होंने कहा कि एक वकील का वास्तविक कार्य दो विभाजित पक्षों को एक करना है और यह विचारधारा वर्तमान मध्यस्थता प्रणाली का हार्द है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य सरकार 'सभी के लिए न्याय, समय पर न्याय' के दृष्टिकोण के साथ न्यायिक ढांचागत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कटिबद्ध है। हाल ही में पेश किए गए राज्य सरकार के बजट में इस उद्देश्य से विधि विभाग के लिए 2700 करोड़ रुपए से अधिक की बड़ी राशि का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि गुजरात व्यापार और उद्योग क्षेत्र में वैश्विक निवेश का एक अग्रणी राज्य होने के कारण त्वरित विवाद निवारण के लिए मध्यस्थता जैसी प्रणाली 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी कारोबार करने की सुगमता को मजबूत आधार देगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यहां आकार लेने वाली स्टेट-ऑफ-द-आर्ट इमारत और लॉन्च की गई नई वेबसाइट मध्यस्थता प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाएगी और यह 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का आधार सिद्ध होगी।

इस कार्यक्रम के मेजबान के रूप में गुजरात हाई कोर्ट की मुख्य न्यायाधीश श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने स्वागत भाषण में सभी का स्वागत-सत्कार किया। उन्होंने यहां निर्मित होने वाले स्टेट-ऑफ-द-आर्ट आर्बिट्रेशन सेंटर के बारे में, उसमें उपलब्ध होने वाली सुविधाओं, सेंटर की आवश्यकता तथा उसके निर्माण एवं सेंटर की री-डिजाइन की गई नई वेबसाइट सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जस्टिस श्री अरविंद कुमार, जस्टिस श्री एन.वी. अंजारिया और जस्टिस श्री विपुल एम. पंचोली की गरिमामयी उपस्थिति रही। इसके अलावा, गुजरात के उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी भी इस मौके पर मौजूद रहे। गुजरात हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति और गुजरात हाई कोर्ट आर्बिट्रेशन सेंटर (जीएचएसी) के अध्यक्ष तथा गुजरात राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (जीएसएलएसए) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति ए.वाई. कोगजे, गुजरात हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति और बिल्डिंग कमेटी के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति श्री ए.एस. सुपेहिया, राज्य के महाधिवक्ता श्री कमल त्रिवेदी सहित गुजरात हाई कोर्ट के अन्य न्यायमूर्ति उपस्थित रहे।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अहमदाबाद में प्रस्तावित वटवा मेगा कोचिंग टर्मिनल का निरीक्षण किया परियोजना से अहमदाबाद मंडल की परिचालन क्षमता में लगभग 3 गुना वृद्धि होगी

माननीय केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने आज अहमदाबाद में प्रस्तावित वटवा मेगा कोचिंग टर्मिनल परियोजना स्थल का दौरा कर कार्यों की प्रगति, एलाइनमेंट तथा प्रस्तावित आधुनिक सुविधाओं का निरीक्षण एवं विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक तथा अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान परियोजना की मुख्य संरचना, परिचालन व्यवस्था तथा भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित की जा रही सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अहमदाबाद तक प्रस्तावित चौहरीकरण (क्वाड्रपलिंग) कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की गई, जिससे भविष्य में यात्री ट्रेनों के संचालन में उल्लेखनीय वृद्धि सुनिश्चित की जा सकेगी।

वटवा मेगा कोचिंग टर्मिनल भारतीय रेल की एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है, जिसका उद्देश्य अहमदाबाद जंक्शन पर बढ़ते परिचालन दबाव को कम करना तथा आधुनिक, सुरक्षित एवं कुशल रेल संचालन सुनिश्चित करना है।

परियोजना की प्रमुख विशेषताएँ:

▸▸ टर्मिनल की कुल प्रस्तावित लंबाई लगभग 3 किलोमीटर है।

▸▸ टर्मिनल में 12 पिट लाइनें विकसित की जाएँगी, जिससे ट्रेनों का प्राथमिक मेंटेनेंस सुचारु रूप से किया जा सकेगा।

29 स्टेबलिंग लाइनें रेक की सुरक्षित पार्किंग हेतु उपलब्ध होंगी।

▸▸ रेक की सफाई के लिए 2 वॉशिंग लाइनें प्रस्तावित हैं।

▸▸ खराब कोचों की मरम्मत हेतु 600 मीटर लंबाई की 2 सिक लाइनें विकसित की जाएँगी।

▸▸ यात्री सुविधा को ध्यान में रखते हुए 6 नए प्लेटफॉर्मों का निर्माण किया जाएगा, जिससे टर्मिनल पर कुल प्लेटफॉर्मों की संख्या 9 हो जाएगी।

माननीय मंत्री ने भविष्य की बढ़ती परिचालन आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पिट लाइनों एवं स्टेबलिंग लाइनों की संख्या में और वृद्धि करने के निर्देश भी दिए।

▸▸ परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि

▸▸ परियोजना के पूर्ण संचालन के पश्चात: प्रतिदिन 36 जोड़ी ट्रेनों का प्राथमिक मेंटेनेंस संभव होगा।

▸▸ 15 ट्रेनों को प्लेटफॉर्म रिटर्न सुविधा उपलब्ध होगी।

▸▸ कुल मिलाकर 51 ट्रेनों का संचालन इस टर्मिनल से किया जा सकेगा।

इस परियोजना के माध्यम से अहमदाबाद मंडल की कुल परिचालन क्षमता में लगभग 3 गुना वृद्धि होने की संभावना है। वटवा मेगा कोचिंग टर्मिनल परियोजना भारतीय रेल के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, परिचालन दक्षता बढ़ाने तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह परियोजना भविष्य की बढ़ती यातायात आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने अहमदाबाद सोला सिविल अस्पताल से नि:शुल्क एचपीवी टीकाकरण महाअभियान का राज्यव्यापी प्रारंभ कराया

▸▸ एचपीवी टीकाकरण के देशव्यापी शुभारंभ अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की वर्चुअल उपस्थिति

▸▸ स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रफुलभाई पानसेरिया का राज्यव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान में भाग लेने का अनुरोध

▸▸ अनुमानित 5.50 लाख किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा देगा स्वदेशी टीका

गांधीनगर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से शनिवार को राजस्थान के अजमेर से राष्ट्रव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ कराया गया, जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री की वर्चुअल उपस्थिति में अहमदाबाद स्थित सोला सिविल अस्पताल में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रफुलभाई पानसेरिया की प्रेरक उपस्थिति में राज्यव्यापी एचपीवी टीकाकरण महाअभियान का भव्य प्रारंभ किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रफुलभाई पानसेरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात 2007 से पोलियोमुक्त बना है और अब टीकाकरण की प्रक्रिया अधिक सरल एवं प्रभावशाली बनी है। पूर्व में जिन रोगों के लिए विदेश से टीके मंगवाने पड़ते थे, आज भारत स्वदेशी टीके बनाकर विश्व की सहायता करने की क्षमता अर्जित कर चुका है, जो आत्मनिर्भर भारत का प्रतीक है।

श्री पानसेरिया ने आगे कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि सुदूरवर्ती-दूरदराजी व्यक्ति की भी दवाई या पैसे के अभाव में मृत्यु न हो। इसके लिए आयुष्मान कार्ड की उपचार खर्च सीमा 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए की गई है। उन्होंने अंधश्रद्धा, अंधविश्वास तथा अफवाहों से दूर रहने का अनुरोध करते हुए कहा कि यह एचपीवी टीका वैज्ञानिक पद्धति से तथा चिकित्सकों की देखरेख में तैयार हुआ है। आज जब खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण कैंसर जैसे रोग बढ़ रहे हैं, तब उन्होंने पहला सुख निरोगी काया के सूत्र को सार्थक करने और हमारी बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए इस टीकाकरण अभियान में भाग लेने का अनुरोध किया।

गुजरात सरकार द्वारा व्यापक टीकाकरण कार्यक्रम अंतर्गत हर वर्ष बच्चों के टीकाकरण पर 240 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए जाते हैं और अब इस कड़ी में एचपीवी टीके को भी शामिल किया गया है। बाजार में इस वैक्सीन के एक डोज की कीमत लगभग 3000 रुपए है, परंतु राज्य सरकार द्वारा 150 करोड़ रुपए आवंटित कर यह टीका पूरी तरह नि:शुल्क लगाने का ऐतिहासिक निर्णय किया गया है।

इस महत्वाकांक्षी अभियान अंतर्गत गर्भाशय के मुख के कैंसर की रोकथाम के लिए राज्य की 14 वर्ष पूरे कर चुकी और 15 वर्ष से कम आयु की अनुमानित 5.50 लाख किशोरियों को टीकाकरण से सुरक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है। भारत में महिलाओं में होने वाले कुल कैंसर में सर्वाइकल कैंसर दूसरे स्थान पर है, जिसमें मुख्यतः एचपीवी-16 व एचपीवी-18 प्रकार के वायरस जिम्मेदार हैं। इस गंभीर स्थिति को ध्यान में रखकर अत्यंत प्रभावशाली तथा सुरक्षित क्वाड्रिवेलेंट एचपीवी वैक्सीन अब गुजरात की किशोरियों को प्रदान की जाएगी।

इस अभियान के सुचारु संचालन के लिए 2297 प्रशिक्षित टीकाकरण टीमें तथा इतने ही कोल्ड चेन पॉइंट्स कार्यरत किए गए हैं। टीके की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए +2 डिग्री सेल्सियस से +8 डिग्री सेल्सियस तापमान में स्टोरेज की सुविधा के साथ TeCHO+ तथा SAFE-VAC पोर्टल पर रियल-टाइम ट्रैकिंग की जाएगी। सरकार द्वारा 'सर्वाइकल कैंसर से बेटी को बचाएँ, समय पर एचपीवी टीका लगवाएँ' के मंत्र के साथ सभी अभिभावकों से भावपूर्ण अपील की गई है कि वे अपनी 14 वर्ष की बेटियों को यह टीका लगवाकर उनके कैंसर मुक्त भविष्य की गारंटी सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री राजीव टोपनो, मुख्यमंत्री के अपर प्रधान सचिव डॉ. विक्रांत पांडे, स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. रतनकँवर गढवीचारण, महानगर पालिका स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री देवांगभाई दाणी, मनपा में शासक पक्ष के नेता श्री गौरांगभाई प्रजापति, स्वास्थ्य विभाग व सोला सिविल अस्पताल के अधिकारी व कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में 14 वर्ष पूर्ण कर चुकीं बेटियाँ आदि उपस्थित रहे।

भावनगर मंडल रेलवे अस्पताल में अधिकारियों हेतु विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल स्थित मंडल रेलवे अस्पताल (DRH), भावनगर द्वारा दिनांक 28 फरवरी, 2026 (शनिवार) को अस्पताल परिसर में मंडल के अधिकारियों हेतु एक विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य अधिकारियों में निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना, जीवनशैली से संबंधित रोगों की समय रहते पहचान करना तथा नियमित चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से उनके समग्र स्वास्थ्य एवं कार्यक्षमता को सुदृढ़ करना था।

भावनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी के अनुसार आज की व्यस्त एवं तनावपूर्ण जीवनशैली, अनियमित दिनचर्या तथा कार्यस्थल के दबाव के कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, हृदय रोग एवं मोटापे जैसी जीवनशैली संबंधी बीमारियों का जोखिम लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में इस प्रकार के स्वास्थ्य जांच शिविर संभावित रोगों की प्रारंभिक पहचान एवं समय पर उपचार सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिविर के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री ऋत्विक शर्मा सहित अन्य अधिकारियों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिनमें रक्तचाप (बीपी) जांच, आवश्यक रक्त परीक्षण, बीएमआई एवं वजन आकलन, सामान्य चिकित्सक परामर्श तथा निवारक स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवनशैली संबंधी मार्गदर्शन शामिल रहा। अधिकारियों ने उत्साहपूर्वक शिविर में भाग लिया तथा चिकित्सा विभाग की इस सराहनीय पहल की प्रशंसा की।

शिविर का संचालन मंडल रेलवे अस्पताल, भावनगर के मंडल चिकित्सा अधिकारी एवं एमडी फिजिशियन डॉ. प्रतीक वोरा के चिकित्सकीय पर्यवेक्षण में उनकी समर्पित चिकित्सा टीम द्वारा सुव्यवस्थित एवं कुशलतापूर्वक किया गया।

यह कार्यक्रम मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मनोज कुमार के समग्र मार्गदर्शन में आयोजित किया गया, जिनके नेतृत्व एवं सहयोग से शिविर का सफल क्रियान्वयन संभव हो सका। साथ ही एएनओ, भावनगर द्वारा पूरे कार्यक्रम का प्रभावी समन्वय एवं प्रबंधन सुनिश्चित किया गया।

भावनगर मंडल रेलवे अस्पताल प्रशासन ने भविष्य में भी इस प्रकार के स्वास्थ्य जागरूकता एवं निवारक चिकित्सा कार्यक्रमों के आयोजन की प्रतिबद्धता व्यक्त की है, जिससे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को निरंतर प्रोत्साहन मिल सके।

सिक्किम के जैविक उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने की नई पहल

नई दिल्ली/गंगटोक। भारत के जैविक कृषि क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने सिक्किम सरकार और IFOAM – Organics Asia के सहयोग से 27 और 28 फरवरी को गंगटोक में 'सिक्किम ऑर्गेनिक कॉन्क्लेव-सह-अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता सम्मेलन' का आयोजन किया। इस दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य सिक्किम के प्रमाणित जैविक उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ना, निर्यात तंत्र को मजबूत करना और स्थानीय उत्पादकों तथा अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच सीधे व्यावसायिक संबंध स्थापित करना था।

यह सम्मेलन ऐसे समय आयोजित किया गया, जब विश्व स्तर पर जैविक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और भारत इस क्षेत्र में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने की दिशा में प्रयासरत है। सिक्किम, जो पहले ही देश का पहला पूर्णतः जैविक राज्य बन चुका है, अपने उत्पादों की गुणवत्ता और विशिष्टता के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष स्थान बना सकता है। इस पहल को राज्य के किसानों, उत्पादक संगठनों और निर्यातकों के लिए एक बड़े अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, सम्मेलन के दौरान सिक्किम के जैविक उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला, गुणवत्ता मानकों और निर्यात क्षमता पर आधारित एक विस्तृत अध्ययन रिपोर्ट भी जारी की गई। इस रिपोर्ट में उत्पादन से लेकर पैकेजिंग, गुणवत्ता नियंत्रण, लॉजिस्टिक्स और वैश्विक विपणन तक की पूरी प्रक्रिया का विश्लेषण किया गया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सिक्किम के जैविक उत्पाद अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार हों और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा कर सकें।

इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि इसमें 17 देशों के लगभग 40 विदेशी खरीदारों ने भाग लिया। इनमें दक्षिण कोरिया, संयुक्त अरब अमीरात, मंगोलिया, सऊदी अरब, ओमान, सिंगापुर, नॉर्वे, कुवैत और ब्रिटेन जैसे देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इन विदेशी खरीदारों की भागीदारी इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वैश्विक बाजार में सिक्किम के जैविक उत्पादों की मांग और संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं।

इसके अलावा भारत के लगभग 20 प्रमुख निर्यातकों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। इनमें विभिन्न जैविक उत्पाद निर्यात से जुड़ी कंपनियां और संस्थाएं शामिल थीं। इन निर्यातकों ने सिक्किम के करीब 100 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के साथ पूर्व-निर्धारित बी2बी बैठकों में हिस्सा लिया। इन बैठकों का उद्देश्य सीधे व्यावसायिक संबंध स्थापित करना, उत्पादों की गुणवत्ता और आपूर्ति क्षमता को समझना और संभावित निर्यात समझौतों की दिशा में आगे बढ़ना था। इस तरह के संवाद से किसानों और अंतरराष्ट्रीय बाजार के बीच की दूरी कम होती है और उन्हें बेहतर मूल्य प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, सिक्किम सरकार के कृषि मंत्री और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सिक्किम के जैविक उत्पादों में वैश्विक स्तर पर पहचान बनाने की अपार संभावनाएं हैं और इस प्रकार के सम्मेलन से राज्य के किसानों को सीधे अंतरराष्ट्रीय बाजार से जुड़ने का अवसर मिलेगा। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि होगी, बल्कि भारत की जैविक कृषि को भी वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशेष प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें सिक्किम के विभिन्न जैविक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया। इस प्रदर्शनी में बड़ी इलायची, जीआई-टैग प्राप्त डल्ले खुर्सानी, सिक्किम मैंडारिन, हल्दी, कुक्कुट उत्पाद और ऑर्किड सहित 12 प्रमुख प्रदर्शकों ने भाग लिया। इन उत्पादों की गुणवत्ता, विशिष्टता और प्राकृतिक उत्पादन पद्धति ने विदेशी खरीदारों का विशेष ध्यान आकर्षित किया। सिक्किम की बड़ी इलायची और डल्ले खुर्सानी जैसे उत्पाद पहले ही अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके हैं और अब इन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और अधिक विस्तार देने की योजना बनाई जा रही है।

सिक्किम ने वर्ष 2016 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए खुद को देश का पहला पूर्णतः जैविक राज्य घोषित किया था। यह उपलब्धि राज्य सरकार की दीर्घकालिक नीतियों, किसानों की प्रतिबद्धता और जैविक कृषि के प्रति समर्पण का परिणाम है। इसके बाद वर्ष 2018 में संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा सिक्किम को 'फ्यूचर पॉलिसी गोल्ड अवार्ड' से सम्मानित किया गया, जो इस बात का प्रमाण है कि सिक्किम की जैविक कृषि नीति वैश्विक स्तर पर भी एक आदर्श मानी जाती है।

STATEMENT ABOUT OWNERSHIP AND OTHER PARTICULARS ABOUT NEWSPAPER "GARVI GUJARAT" HINDI DAILY AS REQUIRED TO BE PUBLISHED UNDER RULE 8 OF REGISTRATION OF NEWS PAPER. (CENTRAL RULES 1856) FORM - IV (SEE RULE - 8)

1.	Place of Publication	**TF-01,**Nanakram Super Market,Rmanagar, **Sabarmati, Ahmeabad- 380 005,Gujarat, India.**
2.	Periodicity of its publication	Hindi Daily
3.	Printer's name	**(1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI (3) HARDIK MAHESHBHAI DESHI**
	Whether Citizen of India ?	Yes
	Address	**(1)Vansh Corporation,** A/8, Shayona Golden **Estate,Shahibag,Ahmedabad-380004,Gujarat, India. (2)BhavaniOffset,BhatiyaNi Wadi,Opp.KalupurRailway Station,Kalupur,Ahmedabad-380002.Gujarat, India. (3)BhoomiOffset,BhatiyaNi Wadi,Opp.KalupurRailway Station,Kalupur,Ahmedabad-380002.Gujarat, India.**
4.	Publisher's name	**AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI** **131,**Dharmanagar Society, Highway Road, **Sabarmati, Ahmedabad- 380 005,Gujarat, India.**
5.	Editor's name	**MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH**
	Whether Citizen of India ?	Yes
	Address	**48,** Amarkunj Society, Ramnagar, **Sabarmati, Ahmedabad- 380 005,Gujarat, India.**
6.	Owners Names And Address	**AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI** **131,**Dharmanagar Society, Highway Road, **Sabarmati, Ahmedabad- 380 005,Gujarat, India.**

I **AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI** here by declare that particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Date : 01-03-2026

Ajaykumar Ramanlal Prajapati
Singaturs of Publisher.

विदेशी पर्यटकों में गिरावट, लेकिन भारतीयों की विदेश यात्रा में बढ़ता उत्साह

नई दिल्ली। वर्ष 2025 में भारत के पर्यटन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला है। एक ओर जहाँ भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर भारतीयों की विदेश यात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पर्यटन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 में कुल 90.2 लाख विदेशी पर्यटक भारत आए, जो वर्ष 2024 की तुलना में 9.4 प्रतिशत कम है। यह गिरावट केवल एक सांख्यिकीय परिवर्तन नहीं, बल्कि क्षेत्रीय राजनीतिक परिस्थितियों, वीजा नीतियों और बदलते वैश्विक यात्रा रुझानों का परिणाम मानी जा रही है।

इस गिरावट का सबसे बड़ा कारण पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ उत्पन्न राजनयिक तनाव रहा। दोनों देशों के बीच संबंधों में आई खटास और सुरक्षा कारणों से वीजा जारी करने की प्रक्रिया में सख्ती ने पर्यटन प्रवाह को सीधे प्रभावित किया। वर्ष 2024 में जहाँ बांग्लादेश से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या लगभग 17.5 लाख थी, वहीं 2025 में यह संख्या घटकर मात्र 4.66 लाख रह गई, जो लगभग 73 प्रतिशत की भारी गिरावट को दर्शाती है। यह गिरावट इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय संबंध और नीतिगत निर्णय पर्यटन उद्योग पर कितना गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। हालांकि, इस परिदृश्य का एक सकारात्मक पहलू भी सामने आया है। यदि बांग्लादेश से आने वाले पर्यटकों के आंकड़ों को अलग कर दिया जाए, तो शेष विश्व से भारत आने वाले पर्यटकों की संख्या में 4.25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि विशेष रूप से पश्चिमी देशों से आने वाले पर्यटकों के कारण संभव हुई है। संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम भारत के प्रमुख स्रोत देशों के रूप में उभरकर सामने आए हैं। वर्ष 2025 में अमेरिका से लगभग 18.1 लाख और ब्रिटेन से 10.7 लाख पर्यटक भारत पहुंचे। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक स्थल, आध्यात्मिक केंद्र और प्राकृतिक सुंदरता अब भी वैश्विक पर्यटकों को आकर्षित कर रही है।

विदेशी पर्यटकों की संख्या में आई कमी के विपरीत, भारतीयों की विदेश यात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में कुल 327.1 लाख भारतीयों ने विदेश यात्रा की, जो वर्ष 2024 की तुलना में 5.9 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा इस बात का प्रमाण है कि भारतीयों की आर्थिक स्थिति, जीवनशैली और वैश्विक अनुभव प्राप्त करने की इच्छा लगातार बढ़ रही है। विदेश यात्रा अब केवल विशेष वर्ग तक सीमित नहीं रही, बल्कि मध्यम वर्ग के लिए भी यह एक सामान्य और सुलभ विकल्प बनती जा रही है।

भारतीय यात्रियों के बीच संयुक्त अरब अमीरात सबसे लोकप्रिय गंतव्य रहा, जहाँ कुल भारतीय यात्रियों में से 26.3 प्रतिशत लोग पहुंचे। यूएई भारतीयों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र इसलिए भी है क्योंकि वहाँ पर्यटन के साथ-साथ रोजगार, व्यापार और पारिवारिक संबंधों के अवसर भी उपलब्ध हैं। इसके अलावा सऊदी अरब, थाईलैंड, अमेरिका और सिंगापुर भी भारतीय यात्रियों के पसंदीदा गंतव्यों में शामिल रहे। इन देशों में बेहतर पर्यटन सुविधाएं, आसान वीजा प्रक्रिया और आकर्षक पर्यटन पैकेज भारतीयों को आकर्षित कर रहे हैं।

आंकड़ों से यह भी स्पष्ट हुआ है कि विदेश यात्रा करने वाले भारतीयों का मुख्य उद्देश्य अवकाश और मनोरंजन रहा। लगभग 43.5 प्रतिशत भारतीय यात्रियों ने छुट्टियां मनाने के उद्देश्य से विदेश यात्रा की। इसके अलावा एक बड़ा वर्ग अपने रिश्तेदारों और परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए विदेश गया, जबकि कुछ यात्राएं व्यापार, शिक्षा और अन्य पेशेवर कारणों से भी की गईं। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि भारतीय समाज अब अधिक वैश्विक हो रहा है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसकी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है।

भारत से विदेश जाने वाले यात्रियों के लिए प्रमुख प्रस्थान बिंदुओं में दिल्ली सबसे आगे रहा। दिल्ली का अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का सबसे व्यस्त और सबसे बड़ा हवाई अड्डा होने के कारण अधिकांश अंतरराष्ट्रीय यात्राओं का केंद्र बना हुआ है। इसके बाद मुंबई का स्थान रहा, जो भारत का प्रमुख आर्थिक और वाणिज्यिक केंद्र होने के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए एक महत्वपूर्ण द्वार है।

पर्यटन विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी पर्यटकों की संख्या में आई यह गिरावट अस्थायी हो सकती है। यदि बांग्लादेश के साथ संबंधों में सुधार होता है और वीजा प्रक्रिया को सरल बनाया जाता है, तो आने वाले वर्षों में विदेशी पर्यटकों की संख्या में फिर से वृद्धि हो सकती है। भारत के पास विश्व स्तरीय पर्यटन संसाधन हैं, जिनमें ऐतिहासिक स्मारक, धार्मिक स्थल, प्राकृतिक सौंदर्य, सांस्कृतिक विविधता और आधुनिक शहरी अनुभव शामिल हैं। ये सभी तत्व भारत को एक आकर्षक पर्यटन गंतव्य बनाते हैं।

वर्तमान स्थिति यह भी दर्शाती है कि भारत का पर्यटन बाजार एक संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहाँ विदेशी पर्यटकों की संख्या में अस्थायी गिरावट के बावजूद भारतीयों की अंतरराष्ट्रीय यात्रा में वृद्धि हो रही है। यह बदलाव भारत की बदलती आर्थिक स्थिति, बढ़ती आय और वैश्विक दृष्टिकोण का प्रतीक है।

माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा अहमदाबाद रेलवे स्टेशन पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा

माननीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 28 फरवरी, 2026 को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन का दौरा कर चल रहे पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भारतीय रेल देशभर में 1300 से अधिक स्टेशनों के उन्नयन एवं आधुनिकीकरण का कार्य कर रही है, जिनमें अहमदाबाद स्टेशन एक प्रमुख परियोजना है। परियोजना के अंतर्गत तीन नए प्लेटफॉर्म जोड़े जाएंगे, जिससे ट्रेनों के संचालन की क्षमता में वृद्धि होगी। स्टेशन को कालूपुर एवं सरसपुर दोनों ओर से आधुनिक स्वरूप प्रदान किया जा रहा है तथा इसे विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जा रहा है।

समीक्षा के दौरान प्रस्तुत प्रगति विवरण के अनुसार, एमएमटीएच (Multi Modal Transport Hub) भवन के दक्षिण दिशा के निचले भाग का 58.2% कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि ऊपरी भाग का 24.0% कार्य प्रगति पर है। एमएमटीएच भवन की 7वीं एवं 8वीं मंजिल पर निर्माण कार्य वर्तमान में जारी है। पार्सल भवन टी–6 का 99.0% कार्य पूर्ण कर लिया गया है। एलीवेटेड रोड परियोजना का 67.3% कार्य पूर्ण है तथा पियर संख्या P-1 से P-41 तक के सभी निर्माण कार्य संपन्न हो चुके हैं। स्टेशन भवन (कॉनकोर्स एवं मेजेनाइन/रूफ संरचना) का 20.8% कार्य पूर्ण है तथा कॉनकोर्स संरचना की एरेक्शन प्रक्रिया प्रगति पर है।

परिसर को विश्वस्तरीय मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें पर्याप्त पार्किंग, एलीवेटेड सड़क तंत्र, सुसज्जित प्लाज़ा, विस्तृत कॉनकोर्स तथा आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध होंगी। विरासत संरचनाओं—'ईंट मीनार' एवं 'झूलता मीनार'—का संरक्षण भी परियोजना का अभिन्न हिस्सा है। लगभग 15 एकड़ में कॉनकोर्स प्लाज़ा तथा 7 एकड़ में मेजेनाइन प्लाज़ा विकसित किए जा रहे हैं, जहां आधुनिक प्रतीक्षालय, स्वच्छ शौचालय, फूड कोर्ट और वाणिज्यिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्टेशन को हरित भवन के रूप में विकसित करते हुए ऊर्जा दक्षता, जल संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्नत निगरानी प्रणाली, स्वचालित पार्सल प्रबंधन तथा दिव्यांगजन-अनुकूल सुविधाएं भी परियोजना का प्रमुख हिस्सा हैं।

प्रमुख निर्माण गतिविधियों की वर्तमान स्थिति

- संरचनात्मक स्टील फैब्रिकेशन पाँचवीं मंजिल तक पूर्ण; छठी से आठवीं मंजिल तक लगभग 70% पूर्ण।
- संरचनात्मक एरेक्शन पाँचवीं मंजिल तक पूर्ण; छठी से आठवीं मंजिल का एरेक्शन कार्य प्रगति पर।
- डेक स्लैब कास्टिंग चौथी मंजिल तक पूर्ण; पाँचवीं मंजिल की स्लैब कास्टिंग लगभग 50% पूर्ण।
- पाँचवीं मंजिल पर कॉलम एन्केसिंग कार्य प्रगति पर।
- बेसमेंट एवं ग्राउंड फ्लोर में ब्लॉक वर्क एवं प्लास्टर लगभग 85% पूर्ण; प्रथम तल पर ब्लॉक वर्क प्रगति पर।
- प्लेटफॉर्म संख्या 10 एवं लाइन संख्या 16 पर प्लेटफॉर्म रिसर्फेसिंग, एमईपीएफ (Mechanical, Electrical, Plumbing & Fire Fighting) तथा बीएलटी (Ballastless Track) कार्य पूर्ण।
- प्लेटफॉर्म संख्या 9 एवं लाइन संख्या 15 पर बीएलटी (Ballastless Track) कार्य पूर्ण; प्लेटफॉर्म रिसर्फेसिंग कार्य प्रगति पर।

यह परियोजना पूर्ण होने पर आधुनिक रेलवे अवसंरचना एवं संरक्षित विरासत के संतुलित समावेशन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगी।

होली के अवसर पर पश्चिम रेलवे चलाएगी बांद्रा टर्मिनस – गोरखपुर के बीच अनारक्षित स्पेशल ट्रेन

यात्रियों की सुविधा तथा होली पर्व के दौरान बढ़ी हुई यात्रा मांग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस – गोरखपुर के बीच विशेष किराये पर एक जोड़ी अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाएगा। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रेन संख्या 09019 बांद्रा टर्मिनस – गोरखपुर विशेष दिनांक रविवार, 1 मार्च 2026 को बांद्रा टर्मिनस से 08:35 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:40 बजे गोरखपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09020 गोरखपुर – बांद्रा टर्मिनस विशेष दिनांक सोमवार, 2 मार्च 2026 को गोरखपुर से 23:35 बजे प्रस्थान करेगी तथा बुधवार को 09:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। मार्ग में यह ट्रेन बोरिवली, पालघर, दहानु रोड, वापी, वलसाड, नवसारी, उधना, सायन, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैन, मक्सी, शुजलपुर, सीहोर, संत हिरदाराम नगर, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती और खलीलाबाद स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में ठहरेगी। इस ट्रेन में जनरल सेकंड क्लास के कोच होंगे। ट्रेन के समय एवं संरचना संबंधी विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर विजिट कर सकते हैं।

सप्ताह के दौरान सोने के वायदा में 4890 और चांदी के वायदा में 18276 की तेजी: क्रूड ऑयल के वायदा में 5 की नरमी

मुंबईः देश के प्रमुख कमोडिटी डेरिवेटिव्स एक्सचेंज एमसीएक्स पर 20 से 26 फरवरी के सप्ताह के दौरान विभिन्न कमोडिटी वायदा, ऑप्शंस तथा इंडेक्स फ्यूचर्स और ऑप्शंस में 4463716.26 करोड़ का टर्नओवर दर्ज हुआ। कमोडिटी वायदा में 278820.75 करोड़ का कारोबार हुआ। कमोडिटी वायदा पर ऑप्शंस में 4184873.73 करोड़ का नॉशनल टर्नओवर दर्ज हुआ। बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स मार्च वायदा 39489 पॉइंट के स्तर पर पहुंचा। कमोडिटी ऑप्शंस में कुल साप्ताहिक प्रीमियम टर्नओवर 35105.58 करोड़ का रहा।

समीक्षा अधीन सप्ताह के दौरान कीमती धातुओं में सोना-चांदी के वायदा में 216234.76 करोड़ का कारोबार हुआ। एमसीएक्स सोना अप्रैल वायदा सप्ताह की शुरुआत में 10 ग्राम प्रति 155105 के भाव पर खुला, सप्ताह के दौरान इंट्रा-डे में ऊपरी स्तर 161729 और निचले स्तर 154890 पर पहुंचा, पिछले बंद 154819 के मुकाबले सप्ताह के अंत में 4890 की तेजी के साथ 159709 के भाव पर बंद हुआ। गोल्ड-गिन्नी मार्च वायदा 8 ग्राम प्रति 1917 की तेजी के साथ 130058 के भाव पर बंद हुआ। गोल्ड-पेटल मार्च वायदा 1 ग्राम प्रति 340 बढ़कर 16393 के भाव पर बंद हुआ। सोना-मिनी मार्च वायदा 10 ग्राम प्रति 4580 की बढ़ोतरी के साथ 157588 रहा। गोल्ड-टेन मार्च वायदा सप्ताह की शुरुआत में 10 ग्राम प्रति 157220 के भाव पर खुला, सप्ताह के दौरान इंट्रा-डे में ऊपरी स्तर 162999 और निचले स्तर 157000 पर पहुंचा, पिछले बंद 156935 के मुकाबले सप्ताह के अंत में 3459 की तेजी के साथ 160394 रहा।

चांदी के वायदा में चांदी मार्च वायदा सप्ताह की शुरुआत में किलो प्रति 243874 के भाव पर खुला, सप्ताह के दौरान इंट्रा-डे में ऊपरी स्तर 270500 और निचले स्तर 241245 पर पहुंचा, पिछले बंद 241393 के मुकाबले सप्ताह के अंत में 18276 की तेजी के साथ 259669 के स्तर पर पहुंचा। सप्ताह के अंत में किलो प्रति चांदी-मिनी अप्रैल वायदा 20249 बढ़कर 271567 के स्तर पर पहुंचा। चांदी-माइक्रो अप्रैल वायदा 20033 बढ़कर सप्ताह के अंत में 271590 रहा।

कमोडिटी वायदा में 278820.75 करोड़ और कमोडिटी ऑप्शंस में 4184873.73 करोड़ का साप्ताहिक टर्नओवर : सोना-चांदी के वायदा में 216234.76 करोड़ का साप्ताहिक कारोबार : बुलियन इंडेक्स बुलडेक्स वायदा 39489 पॉइंट के स्तर पर

धातुओं में 35098.36 करोड़ का कारोबार हुआ। सप्ताह के अंत में किलो प्रति तांबा मार्च वायदा 20.25 बढ़कर 1207.3 के स्तर पर पहुंचा। जस्ता मार्च वायदा 2.7 बढ़कर 326.95 के भाव पर सप्ताह के अंत में बंद हुआ। एल्युमिनियम मार्च वायदा सप्ताह के अंत में 1.05 बढ़कर 312.1 के भाव पर बंद हुआ। सीसा मार्च वायदा 55 पैसे बढ़कर सप्ताह के अंत में 189.45 के भाव पर बंद हुआ।

एनर्जी सेगमेंट में 27408.46 करोड़ का कारोबार हुआ। एमसीएक्स इलेक्ट्रिसिटी मार्च वायदा सप्ताह की शुरुआत में MWh प्रति 3675 के भाव पर खुला, सप्ताह के दौरान इंट्रा-डे में ऊपरी स्तर 4092 और निचले स्तर 3641 पर पहुंचा, सप्ताह के अंत में 316 बढ़कर 4004 के स्तर पर पहुंचा। क्रूड ऑयल मार्च वायदा सप्ताह की शुरुआत में बैरल प्रति 6078 के भाव पर खुला, सप्ताह के दौरान इंट्रा-डे में ऊपरी स्तर 6134 और निचले स्तर 5801 पर पहुंचा, पिछले बंद 6058 के मुकाबले सप्ताह के अंत में 5 गिरकर 6053 के भाव पर बंद हुआ। क्रूड ऑयल-मिनी मार्च वायदा 7 गिरकर सप्ताह के अंत में 6053 रहा। नैचुरल गैस मार्च वायदा सप्ताह के अंत में MMBtu प्रति 14.3 गिरकर 257.1 रहा। नैचुरल गैस-मिनी मार्च वायदा 14.2 गिरकर सप्ताह के अंत में 257.2 के स्तर पर पहुंचा।

कृषि वस्तुओं के वायदा में मेंथा ऑयल मार्च वायदा सप्ताह की शुरुआत में किलो प्रति 968.5 के भाव पर खुला, सप्ताह के अंत में 14.1 गिरकर 956.2 रहा। इलायची मार्च वायदा सप्ताह की शुरुआत में किलो प्रति 2535 के भाव पर खुला, सप्ताह के अंत में 26 गिरकर 2524 रहा। कारोबार की दृष्टि से एमसीएक्स पर समीक्षा अधीन सप्ताह के दौरान सोने के विभिन्न वायदा में 117403.25 करोड़ और चांदी के विभिन्न वायदा में 98831.51 करोड़ का कारोबार हुआ। तांबे के वायदा में 29934.93 करोड़, एल्युमिनियम और एल्युमिनियम-मिनी के वायदा में 2339.93 करोड़, सीसा और सीसा-मिनी के वायदा में 249.02 करोड़, जस्ता और जस्ता-मिनी के वायदा में 2574.48 करोड़ का कारोबार हुआ। इलेक्ट्रिसिटी के वायदा में 168.27 करोड़ का कारोबार हुआ। क्रूड ऑयल और क्रूड ऑयल-मिनी के वायदा में 10457.39 करोड़ का कारोबार हुआ। नैचुरल गैस और नैचुरल गैस-मिनी के वायदा में 16782.80 करोड़ का कारोबार हुआ। इलायची के वायदा में 3.07 करोड़ का कारोबार हुआ।

ओपन इंटरेस्ट सप्ताह के अंत में सोने के वायदा में 7764 लॉट, सोना-मिनी के वायदा में 32238 लॉट, गोल्ड-गिन्नी के वायदा में 15285 लॉट, गोल्ड-पेटल के वायदा में 201915 लॉट और गोल्ड-टेन के वायदा में 28958 लॉट के स्तर पर था। चांदी के वायदा में 3366 लॉट, चांदी-मिनी के वायदा में 13481 लॉट और चांदी-माइक्रो वायदा में 44513 लॉट के स्तर पर रहा। इलेक्ट्रिसिटी के वायदा में 1369 लॉट, क्रूड ऑयल के वायदा में 14972 लॉट, नैचुरल गैस के वायदा में 26470 लॉट के स्तर पर रहा। इंडेक्स फ्यूचर्स की बात करें तो, बुलडेक्स मार्च वायदा 39901 पॉइंट के स्तर पर खुला, सप्ताह के दौरान इंट्रा-डे में ऊपरी स्तर 40277 पॉइंट और निचले स्तर 39250 पॉइंट पर पहुंचा, सप्ताह के अंत में 528 पॉइंट बढ़कर 39489 पॉइंट के स्तर पर पहुंचा।